# शास्त्रीय नृत्यविधाएँ

- शास्त्रीय नृत्य के बारे में जानकारी भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में मिलती है।

  **Information about classical dance is found in Bharat Muni's Natya Shastra.**

  पंचम वेद माना जाता है

- शास्त्रीय नृत्यों की कुल संख्या 8 है।

  **The total number of classical dances are 8.**

  - संस्कृति मंत्रालय के अनुसार – 9 ( 9 वां छऊ )
  - संगीत नाटक अकादमी – 8
    - स्थापना – 28 जनवरी 1953 (दिल्ली)

👉 छऊ को अर्द्धशास्त्रीय नृत्य भी कहा जाता है।

**Chhau is also called semi-classical dance.**

👉 इसे यूनेस्को की अमूर्त सूची में 2010 में शामिल किया गया। इसके तीन प्रकार है

**It was included in the UNESCO Intangible List in 2010. It has three types**

1. मयूरभंज छऊ – ओडिशा **Mayurbhanj Chhau - Odisha**
2. सरायकेला छऊ – झारखण्ड **Saraikela Chhau - Jharkhand**
3. पुरूलिया छऊ – पश्चिम बंगाल **Purulia Chhau - West Bengal**

| शास्त्रीय नृत्य (Classical Dance) | सम्बन्धित राज्य (State) |
|---|---|
| 1- भरतनाट्यम Bharatanatyam | तमिलनाडु Tamil Nadu |
| ↳ सबसे पुराना | |
| 2- ओडिसी Odysey | ओडिसा Odisha |
| 3- मणिपुरी Manipuri | मणिपुर Manipur |
| 4- कुचिपुड़ी Kuchipudi | आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh |
| 5- कथक Kathak | उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh |
| 6- कथकली Kadhakali | केरल Kerala |
| 7- मोहिनीअट्टम Mohiniyattam | केरल Kerala |
| 8- सत्रिया Sattriya | असम Assam |
| ↳ सबसे नया (2000 में जुड़ा) | |
| 9- छऊ Chhau | पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, ओडिशा WB, JH, Odisha |

## 1 भरतनाट्यम –

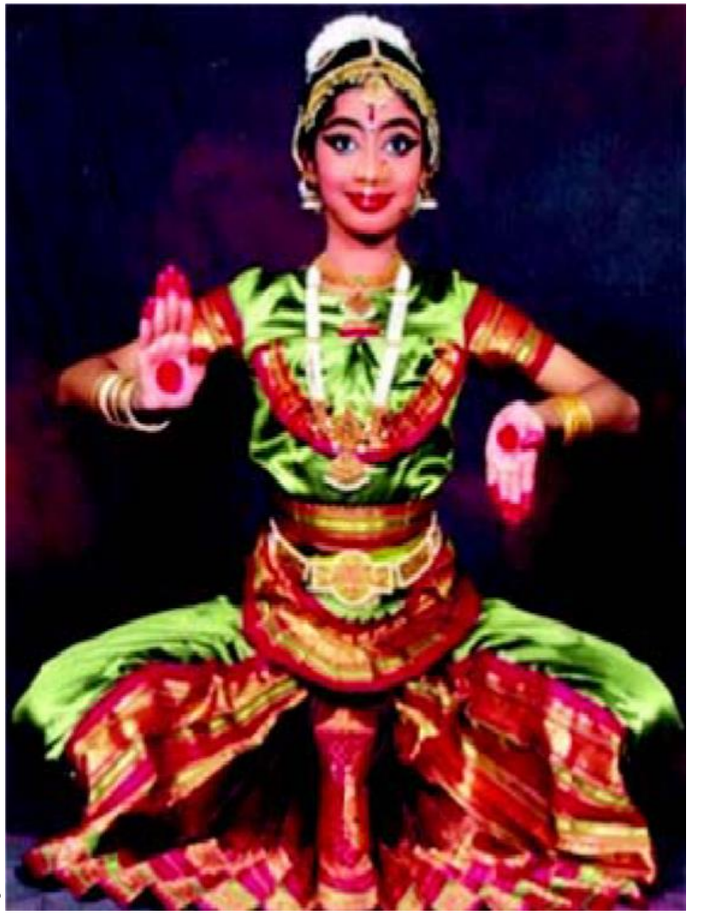

- इसका पुराना नाम सादिर था।
  **Its old name was Sadir.**
- अन्य नाम – दासी अट्टम **(Dasi Attam)**
  अग्नि नृत्य **(Fire Dance)**
- जानकारी – **2 Books**
  1. शिल्पादिकारम, 2. अभिनय दर्पण
- यह मंदिरों को समर्पित है। **It is dedicated to temples.**
- शैव धर्म के विचारों की प्रस्तुति
  **Presentation of the ideas of Shaivism**
- नृत्य का आरम्भ "आलारिपु" से होता है
  **The dance begins with "Alaripu".**

❖ इसमें छह भाग शामिल हैं: आलारिपु (आह्वान), जातीस्वरम् (नृत्य भाग), शब्दम् (शब्द के साथ  लघु रचनाएँ), वर्णम् (एक कहानी, जिसमें नृत्त और नृत्य दोनों शामिल हैं), पदम् (धार्मिक प्रार्थना, भजन, कीर्तन) और तिल्लाना (हिंदुस्तानी संगीत के तराना के अनुरूप है)।

❖ It consists of six parts: Alarippu (invocation), Jatiswaram (dance portion), Shabdam (short compositions with words), Varnam (a story, including both nritta and dance), Padam (religious prayers, hymns, kirtans) and Tillana (corresponds to the tarana of Hindustani music).

नाट्य रूप का स्वरूप पाने वाला भारत का पहला शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्य है

**Bharatnatya is the first classical dance of India to take the form of a drama**

"कटका मुख हस्त मुद्रा" इसमें 3 अंगुलियों को जोड़कर " ॐ " का प्रतीक निर्मित किया जाता है। **"Katka Mukha Hasta Mudra" In this, the symbol of "Om" is formed by joining 3 fingers.**

नृत्य का अंत "तिल्लाना (थिलाना)" पर होता है **The dance ends on "Tilna".**

नट्टूवार (भरतनाट्यम का शिक्षक) भरतनाट्यम में कविता पाठ करता है

**Nattuvar (teacher of Bharatanatyam) recites poems in Bharatanatyam**

धुन के लिए कर्नाटक संगीत का प्रयोग होता है, और एकल कलाकार द्वारा विभिन्न भूमिकाओं को दर्शाया जाता है जिसे "एकाहार्य, लस्यांग" कहा जाता है

**Karnatka music is used for the tune, and various roles are performed by a solo artist called "Ekaharya"..**

भरतनाट्यम नृत्य की शैली – कलाक्षेत्र, वजुदूर कलामंडलम

**Bharatnatyam dance style - Kalakshetra, Vajudoor Kalamandalam**

भारतीय संगीत के दो भाग

- ❖ उत्तर भारत – हिन्दुस्तानी संगीत
- ❖ दक्षिण भारत – कर्नाटक संगीत

नृत्य में प्रयोग वाद्ययंत्र – मृदंगम, वीणा, बांसुरी, आदि

👉 भरतनाट्यम पर ब्रिटिश सरकार ने 1910 में प्रतिबंध लगाया था।

**Bharatanatyam was banned by the British government in 1910.**

👉 भरतनाट्यम के चित्र चिदम्बरम मंदिर (तमिलनाडु) के गोपुरम पर स्थित है।

**Bharatanatyam paintings are located on the gopuram of Chidambaram Temple (Tamil Nadu).**

## 2 ओडिसी –

- गुरू पंकज चरणदास को ‘ओडिशी नृत्य का जनक कहा जाता है।
  **Guru Pankaj Charandas is called the 'Father of Odissi dance'.**
- भगवान कृष्ण से संबंध है।
  **There is relation with Lord Krishna.**
- यह नृत्य शैली भगवान जगन्नाथ की पूजा यात्रा से सम्बन्धित है।
  **This dance style is related to the worship journey of Lord Jagannath.**
- यह त्रिभंग मुद्रा में किया जाता है
  **It is done in Tribhanga Mudra**
- जयन्तिका ने 5 भागीय मुद्रा विकसित की
  **Jayantika developed a 5 part mudra**

- इसे ओरीली भी कहा जाता है।
- **It is also called Orili.**
- इसकी शुरूआत "मंगलाचरण" से और अन्त "मोक्ष" पर होता है
- **It begins with "Manglacharan" and ends with "Moksha".**

  "मंगलाचरण" – पृथ्वी माता को पुष्प अर्पित

  "मोक्ष" – थारिझम नृत्य से
- पखावज अक्षरों का प्रयोग, इस नृत्य को समाप्त करने के लिए किया जाता है।

  **The Pakhawaj aksharas are used to end this dance.**
- नृत्य उदाहरण – उदयगिरि – खंडगिरि गुफा

  **Dance Example - Udayagiri - Khandagiri Cave**
- मुख्यतः महारियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य

  **dance performed mainly by Maharis**

- नृत्यांगनाएँ शरीर से जटिल 'ज्यामितिय पैटर्न बनाती है। इसे सचल मूर्ति कहा जाता है।
- **Dancers create intricate geometric patterns with their bodies. This is called a moving idol.**
- यह नृत्य 'जल तत्त्व' का प्रतीक है
  **This dance symbolizes the 'water element'**
- प्रयोग वाद्ययंत्र, मंजीरा, पखावज, ढोल सितार
  **Musical instruments: Manjira, Pakhawaj, Dhol, Sitar**

## 3 मणिपुरी –

- यह वैष्णव सम्प्रदाय से संबंधित है।
  **It is related to the Vaishnava sect.**
- भगवान श्री कृष्ण के बाल्यकाल की कहानियाँ दर्शायी जाती है
  **Stories from the childhood of Lord Shri Krishna are shown**
- इसकी तीन प्रमुख शैलियाँ है – लाई हरोबा, संकीर्तन और रासलीला
  **It has three main styles - Lai Haroba, Sankirtan and Rasleela.**
- मणिपुरी नृत्य रासलीला को पहली बार 1779 में निंगथो चिंग–थांग खोंबा ने शुरू किया था। **The Manipuri dance Raasleela was first introduced in 1779 by Ningtho Ching-Thang Khomba.**

राधा और कृष्ण थीम पर आधारित

जवाहर लाल नेहरू मणिपुरी नृत्य अकादमी – मणिपुर

**Jawaharlal Nehru Manipuri Dance Academy - Manipur**

इसमें पेना वाद्ययंत्र का प्रयोग किया जाता है

**Pena instruments are used in this**

इसमें नटगायन का प्रयोग किया जाता है।

नृत्य, वाद्ययंत्र बजाना, गाना गाना एक ही व्यक्ति द्वारा किया जाता है इसे "पंग चोलेम" कहा जाता है, इसमें ड्रम का प्रयोग किया जाता है।

**Dancing, playing instruments, singing is done by the same person it is called "Pang Cholem" Drum is used in this.**

(जागोई + चोलेम) मणिपुरी के 2 प्रमुख भाग है

**(Jagoi + Cholem) are the 2 major parts of Manipuri**

- इसमें 64 तालों का प्रयोग होता है
  **64 locks are used in this**
- नागबंध मुद्रा – जिसमें शरीर 8 के आकार में वक्रों के माध्यम से जुड़ा होता है
  **Nagabandha Mudra – in which the body is connected through curves in the shape of 8**
- इसमें कलाकार बेलनाकार स्कर्ट पहनते है जिसे 'योटिओई' कहा जाता है।
  **In this the performers wear a cylindrical skirt called 'yotioi'.**
- इसमें कलाकार कभी भी दर्शकों से सीधे आँख नही मिलाता है।
  **In this the artist never makes direct eye contact with the audience.**

4 कुचिपुड़ी → आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के एव
गाँव कुचैलापुरम के नाम पर रखा

यह भाषण (माइम) और शुद्ध नृत्य को जोड़ता है।

**It is a question of speech (Maem) and pure dance.**

भागवत, पुराण को आधार माना जाता है

**Bhagwat, Purana is considered as the basis**

पीतल की तश्तरी में पैर रखकर नृत्य करने का प्रचलन है। इसे तरंगम कहते है, पैरों की मुद्राएँ सम–पाद मंडिकोप्पु, कन्तेरा, नागबंध

**There is a tradition of dancing by keeping feet on a brass plate. This is called Tarangam, the postures of the feet are Sam-pad Mandikoppu, Kantera, Nagabandha**

इसमें कर्नाटक संगीत पेश होता है।

**It features Karnatka music.**

वाक, मूकाभिनय और शुद्ध नृत्य के संयोजन वाला नृत्य कुचिपुड़ी है।

**Kuchipudi is a dance that combines speech, mime and pure dance.**

सिद्धेंद्र योगी को कुचिपुडी का आदि गुरू माना जाता है, इन्होंने भामाकल्पम नाटक की रचना की जो कुचिपुडी पर आधारित है।

**Sidhendra Yogi is considered the first guru of Kuchipudi, he composed the play Bhamakalpam which is based on Kuchipudi.**

नर्तकों को भागवतालु के नाम से जाना जाता है।

**The dancers are known as Bhagavatalu.**

सोल्लाकद या पताक्षर – इस नृत्य भाग में शरीर की हरकतें शामिल

**Sollakad or Patakshar – This dance part involves body movements**

कावुत्वम – इसमें व्यापक कलाबाजियाँ (हवाई करतब) सम्मिलित होती है।

**Kaavutvam – Involves elaborate acrobatics (aerobatics).**

- मंडूक श्ब्दमः एक मेंढ़क की कहानी को कहता है।
  **Manduk Shabdam: Tells the story of a frog.**
- जल चित्र नृत्यम – इसमें कलाकार अपने पैर के अँगूठो से सतह पर चित्र बनाते है।
  **Jal Chitra Nrityam - In this the artist makes pictures on the surface with his toes.**
- पुरूष कलाकारों की पौशाक को बगलबंदी कहा जाता है।
  **The costume of male artists is called Bagalbandhi.**

## 5 कथक –

- अन्य नाम – नटवरी, कथाकारों का नृत्य
- यह राधा कृष्ण की कथाओं पर आधारित है।
  **It is based on the identity of Radha Krishna.**
- घुंघरू और चक्कर इस नृत्य की प्रमुख विशेषताएं है।
  **Ghungroo and Chakkar are the main features of this dance**
- एक कहानी सुनाने के लिए इस नृत्य का प्रयोग होता है। इसे पढंत कहा जाता है।
  **This dance is used to tell a story. This is called reading.**
- कथक नृत्य की वेशभूषा अनारकली या लम्बी कमीज चूड़ीदार के साथ होती है।
  **Kathak dance costumes are anarkali or long shirt with churidar.**
- यह नृत्य लखनऊ घराना, जयपुर घराना, बनारस घराना (सबसे पुराना), और रायगढ़ घराना शैली में किया जाता है **This dance is performed in Lucknow Gharana, Jaipur Gharana, Banaras Gharana (oldest), and Raigarh Gharana styles.**

- कथक की शास्त्रीय शैली को 20वीं शताब्दी में 'लेड़ी लीला सोखे' के द्वारा पुर्नजीवित किया गया।
  **The classical style of Kathak was revived in the 20th century by 'Ledi Leela Sokhe'.**
- इसके प्रमुख विषय वैष्णववाद, से जुडे है।
  **Its main themes are related to Vaishnavism.**
- इसका वर्तमान स्वरूप 'मुगल परम्परा' पर आधारित
  **Its current form is based on the 'Mughal Tradition'**

## 6 कथकली – केरल

पुरूषों द्वारा **by male**

रामायण, महाभारत इसके आधार है

**Ramayana, Mahabharata is its foundation stone**

नायक – पाचा **Hero - Pacha**

खलनायक – कथी **Villain - Kathi**

इसमें चेहरे का हाव–भाव का प्रदर्शन किया जाता है

**it has facial expressions**

नाट्य स्थान (थियेटर) कुट्टमपालम कहलाता है।

**Dance place (theater) is called Kuttampalam.**

इसकी शुरूआत केलीकोटटु नामक ढोल बजाने से होती है एवं केरल के सोपना संगीत का प्रयोग होता है

**It begins with the playing of a drum called Kelikottu and the Sopana music of Kerala is used.**

कथकली नृत्य में 24 मुख्य मुद्रा होती है।

**There are 24 main postures in Kathakali dance.**

इसमें 3 संगीत वाद्ययंत्र इडक्का, चिंदा और मडालाम का प्रयोग होता है।

**In this 3 musical instruments Idakka, Chinda and Madalam are used.**

कथकली आकाश तत्त्व का प्रतीक है।

**Kathakali symbolizes the sky element.**

कथकली गीतों के लिये प्रयुक्त भाषा 'मणिप्रवलम' अर्थात मलयालम और संस्कृत का मिश्रण **The language used for Kathakali songs is 'Manipravalam' i.e. a mixture of Malayalam and Sanskrit.**

- गीतों के शब्दों को अट्टकथा कहा जाता है।

  **The words of the songs are called Attakatha.**

- कला सम और नलचरितम कथकली नृत्य के प्रकार है

  **Kala Sama and Nalacharitham are types of Kathakali dance**

- **यह ललित कला के 5 रूपों का एक सामंजस्यपूर्ण संयोजन है - लिटरेचर (साहित्यम), म्यूजिक (संगीतम), पेंटिंग (चित्रम), एक्टिंग (नाट्यम) और नृत्य (नृतम)।**

  **It is a harmonious combination of 5 forms of fine arts - Literature (Sahityaam), Music (Sangeetham), Painting (Chitram), Acting (Natyam) and Dance (Nritham).**

- अलग–अलग पात्रों के लिए चेहरे के सुपरिष्कृत श्रृंगार के साथ सिर की टोपी का उपयोग किया जाता है। श्रृंगार या वेशम पाँच प्रकार का होता है – पाचा, काठी, थड़ी, कारी और मिनुक्कू अलग–अलग रंगों के श्रृंगार में अपना महत्त्व होता है।

  **Headgear is used for different characters along with elaborate facial makeup. There are five types of adornment or Vesham – Pacha, Kathi, Thadi, Kari and Minukku. Different colors of adornment have their own importance.**

- हरा रंग कुलीनता, देवत्व और सद्गुण इंगित करता है।

  **Green color indicates nobility, divinity and virtue.**

- नाक की बगल में लाल धब्बे राजसी गौरव इंगित करता है।

  **The red spot next to the nose indicates royal pride.**

- बुराई और दुष्टता इंगित करने के लिए काले रंग का उपयोग किया जाता है।
  **Black color is used to indicate evil and wickedness.**
- पीला रंग संतों और महिलाओं के लिए होता है।
  **Yellow color is for saints and women.**
- पूरी तरह लाल रंग से पुता चेहरा बुराई इंगित करता है।
  **A face painted entirely red indicates evil.**
- सफेद दाढ़ी उच्चतर चेतना और देवत्ववाले प्राणियों को इंगित करती है।
  **White beard indicates beings with higher consciousness and divinity.**

7 मोहिनीअट्टम –

मोहिनी – सुंदर स्त्री

अट्टम – नृत्य

- एकल महिला द्वारा
  **by single woman**
- बालों में चमेली के सफेद फूल लगाये जाते है।
  **White flowers of jasmine are applied in the hair.**
- इस नृत्य में केरल कसावु साड़ी पहनी जाती है।
  **Kerala Kasavu saree is worn in this dance.**
- इस नृत्य का उल्लेख "व्यवहारमाला" नामक प्राचीन ग्रंथ में किया गया है
  **This dance has been mentioned in an ancient text named 'Vyavahamala'.**
- विष्णु के स्त्रैण रूप की कहानी शामिल है।
  **Contains the story of the feminine form of Vishnu.**
- इसे जादूगरनी का नृत्य भी कहा जाता है।
  **It is also called the dance of the witch.**

- इसमें भी मणिप्रवलम भाषा का प्रयोग
  **Manipravalam language is also used in this**
- तेवितिचियाट्टम, नंगई नाटकम और दासियहम इस नृत्य के रूप है।
  **Thevitchiyattam, Nangai Natakam and Daasiyaham are the forms of this dance.**

## 8 सत्रिया –



- इसको वर्ष 2000 में शामिल किया गया है।
  **It has been included in the year 2000.**
- इसकी खोज लगभग 500 वर्ष पूर्व हुई।
  संस्थापक "श्रीमत शंकर देव"
  **Founder "Shrimat Shankar Dev"**
- असम के वैष्णव मठों में विकसित नृत्य
  **Dances developed in the Vaishnav monasteries of Assam**
- सत्रिया को "अंकियानाट" के प्रदर्शन के लिए लाया गया।
  **Satriya was brought in to perform "Ankiyaanat".**
- जब इस नृत्य को पुरूष करता है तो "भांगी" और जब स्त्री करती है तो "सीमंगी" कहलाता है, त्योहारों पर यह नृत्य भोकोत (पुरूष भिक्षुओं) द्वारा किया जाता है।
  **When this dance is performed by a man, it is called "Bhangi" and when performed by a woman, it is called "Seemangi". On festivals, this dance is performed by Bhokot (male monks).**

- इसमें बोरगीत संगीत का प्रयोग होता है **Borgeet music is used in this**
- नृत्य का 'भाओना' भाग – भगवान कृष्ण की कहानियों पर आधारित
- माटी अखोरा रूप का संबंध सत्रिया नृत्य से है। इसका अर्थ मिट्टी पर व्यायाम करना है।

  **The Mati Akhora form is related to the Sattriya dance. It means exercising on the soil.**

# शास्त्रीय नृत्य के प्रमुख कलाकार

## भरतनाट्यम्/Bharatanatyam

यामिनि कृष्णमूर्ति

**Yamini Krishnamurthy**

- कुचिपुड़ी से भी संबधित

**Also related to kuchipudi**

रूकमिणी देवी अरूंडेल

**Rukmini Devi Arundale**

- 2017 में Google- doodle ने प्रयोग किया

**goole -doogle used in 2017**

- राज्यसभा में नामित होने वाली पहली नर्तकी

**First dancer to be nominated in Rajya Sabha**

लीला सैमसन

**Leela Samson**

## सोनल मान सिंह (ओड़िशी)
## Sonal Man Singh (Odisha)

- 1992 में सबसे कम उम्र में पद्म भूषण
  Youngest Padma Bhushan in 1992
- 2003 में सबसे कम उम्र में पद्म विभूषण
  Youngest Padma Vibhushan in 2003

## मृणालिनि साराभाई
## Mrinalini Sarabhai

- संगीत अकादमी पुरस्कार पाने वाली पहली नर्तकी
  First dancer to get Sangeet Akademi Award
- 2018 को Google Doodle में शामिल
- फ्रेच 'पाल्मे–डी–ओर Award – 1977
  French' Palme-d-Or award- 1977
- पद्म भूषण – 1992 Padma Bhushan - 1992
- निशागांधी पुरस्कार (केरल) – 2013
  Nishagandhi Award (Kerala) - 2013

## वैजयंतीमाला
## Vyjayanthimala

- सबसे कम उम्र में पद्म श्री
  Youngest Padma Shri

# भरतनाट्यम के अन्य कलाकार Other Bharatanatyam Artists

पद्मा सुब्रमण्यम, एस. के सरोज, मालविका सरकार, अलार्मेल वेल्ली, मिनाक्षी श्रीनिवासन, गीता चन्द्रन, सुधा चंद्रन, राधा श्रीधर, सी.वी. चंद्रशेखर (PB-2011), हेमा मालिनी (PS 2000), वी. दोरोस्वामी, मिनाक्षी चितरंजन, उर्मिला सत्यनारायण (SNA 2023), जयलक्ष्मी ईश्वर, कुमारी कमला, बी. हेरम्बनाथन , राजा श्रीधर, शोभना चंन्द्र कुमार

**Padma Subramaniam, S. K Saroj, Malavika Sarkar, Meenakshi Srinivasan, Geetha Chandran, R. Muthukannammal, Sudha Chandran, Radha Sridhar, C.V. chandrashekhar, Hema Malini, V. Doroswami, Meenakshi Chittaranjan, Urmila Satyanarayan, Jayalakshmi Easwar, Kumari Kamala, B. Herambanathan, Raja Shridhar, Shobhna Chandra Kumar**

टी. बाला सरस्वति **T. Bala Saraswathi** → (पद्म भूषण – 1957 और पद्म विभूषण – 1977)

मीनाक्षी सुंदरम पिल्लई **Meenakshi Sundaram Pillai** → पडानल्लूर स्कूल (तमिलनाडु)

👉 नर्तकी नटराज, → 2019 पद्म श्री पाने वाली पहली ट्रांसजेंडर → संस्थापक

**Nartaki nataraja** **First Transgender to get Padma Shri 2019**

👉 आर० मुथुकन्नम्मल → 2022 का पद्म श्री – अन्तिम देवदासी

**R. Muthukannammal Padma Shri of 2022**

👉 अलार्मेल वेल्ली → दूसरी सबसे कम उम्र में पद्म श्री पाने वाली नर्तकी

**Alarmel Velli Second youngest dancer to get Padma Shri**

👉 तंजौर चौकडी – चार नट्टूवनार

**Tanjore Quartet – Char Nattuvanar**

↳ पोनैय्या, बडिवेलु, शिवानंदम और चिन्नैया

**Ponnayya, Badivelu, Sivanandam and Chinnaiah**

👉 मंजूला रामास्वामी **Manjula Ramaswami (SNA 2022)**

👉 मंदाक्रांता राय **Mandakranta Rai (BKY 2022)**

👉 अपूर्वा जयरामन **Apurva Jayaraman (BKY 2023)**

# कुचिपुड़ी/Kuchipudi

यामिनि कृष्णमूर्ति **Yamini Krishnamurthy**

- 👉 कुचिपुड़ी की मशाल (Torch) **Kuchipudi's torch**
- 👉 पद्म विभूषण 2016 **Padma Vibhushan 2016**
- 👉 पद्म भूषण 2001 **Padma Bhushan 2001**
- 👉 पद्म श्री 1968 **Padma Shri 1968**
- 👉 **Book – A Passion for dance**
- 👉 आस्थाना नर्तकी **Resident dancer**
  - तिरूपति मंदिर

# कुचिपुड़ी के अन्य कलाकार Other artists of Kuchipudi

लक्ष्मी नारायण शास्त्री, राधा रेड्डी, राजा रेड्डी, स्वप्न सुंदरी, वेदांतम सत्यनारायण, वेम्पति चिन्ना सत्यम, शोभा नायडू, पदमजा रेड्डी (तेलंगाना की पहली SNA विजेता 2015), हलीम खान, प्रतीक्षा काशी, मंजू भार्गवी, पाशुमार्थी विट्ठल, भारती विट्ठल, एन. शैलजा, भगवतालु सेतुराम (SNA2022), एम. ऊषा गायत्री (SNA2023)

**Lakshmi Narayana Sastry, Radha Reddy, Raja Reddy, Swapna Sundari, Vedantam Satyanarayana, Vempati Chinna Satyam, Shobha Naidu, Padmaja Reddy, Mallika Sarabhai (Bharatanatyam), Haleem Khan, Prathiksha kashi, Manju Bhargavi, Pashumarthi Vitthal, Bharti Vitthal, N. Shailaja, Bhagvatalu, M. Usha Gyatri**

- मल्लिका साराभाई (भरतनाटयम्) → मृणालिनी की बेटी
  **Mallika Sarabhai (Bharatanatyam)**
- अपर्णा सतीसन → 2022 में राष्ट्रीय नृत्य शिरोमणि पुरस्कार
  **Aparna Sateesan** **National Dance Shiromani Award in 2022**
- टी. रेड्डी लक्ष्मी **T. Reddy Lakshmi (BKY 2022)**
- एम. सुरेन्द्र नाथ **M. Surendra Nath (BKY 2023)**

# ओड़िसी/Odissi

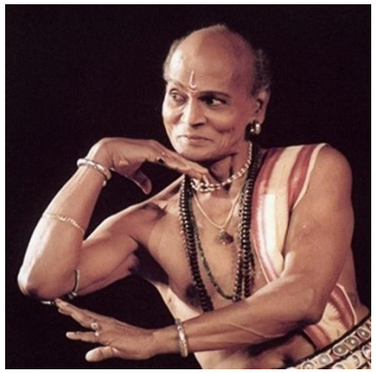

केलुचरण महापात्र Kelucharan Mohapatra

माधवी मुदगल Madhavi Mudgal

- 1993 – SRIJAN SCHOOL खोला
- ओड़िसी को पुनर्जीवित किया। Odissi revived.
- पद्म विभूषण – 2000 Padma Vibhushan - 2000
- पद्म भूषण – 1988 Padma Bhushan - 1988
- पद्मश्री – 1974 Padma Shri - 1974

## ओड़िशी के अन्य प्रमुख कलाकार Other Prominent Artists of Odissi

हरेकृष्ण बेहरा, सोनल मानसिंह, किरण सहगल, रानी कर्ण, संयुक्ता पाणिग्राही, कालीचरण पटनायक, मोहन महापात्र, सुजाता महापात्र, मिनाती मिश्रा, कुमकुम मोहंती, गंगाधर प्रधान, दुर्गाचरण रणबीर, लक्ष्मीप्रिया महापात्रा, मायाधर राउत, गीता महलिक, आरूषि मुद्गल, सुतापा तालुकदार, रविन्द्र अतिबुद्धि, बिजयिनी सत्पथी, देबा प्रसाद दास, पंकज चरण दास, झेलम परांजपे, लीना सितारिस्टी (इटली), माइला बारवी, शोरेन लोवेन (USA), निरंजना राउत (SNA2022), स्नेह प्रिया सामांत्रे (SNA2023), अपर्णा गायत्री पांडा (BKY2022), देबाशीष पटनायक (BKY2023)

इंद्राणी रहमान (PS 2019) - पूर्व मिसइंडिया (भरतनाट्यम, ओडिसी, कुचिपुड़ी, कथकली)

**Indrani Rahman – Former Miss India (Bharatnatyam, Odissi, Kuchipudi, Kathakali)**

**Harekrishna Behera, Sonal Mansingh, Kiran Sehgal, Rani Karna, Sanyukta Panigrahi, Kalicharan Patnaik, Mohan Mohapatra, Sujata Mohapatra, Minati Mishra, Kumkum Mohanty, Gangadhar Pradhan, durgacharan ranbir Laxmipriya Mahapatra, Mayadhar Raut, Geeta Mahalik, Aarushi Mudgal, Sutapa Talukdar, Ravindra Atibuddhi, Bijayini Satpathy, Deba Prasad Das, Pankaj Charan Das, Jhelum Paranjape, Leena Sitaristi, Maila Barvi, Shoren Lowen (USA), Niranjana Raut, Sneh Priya Samantray, Aparna Gayatri Panda, Debashish Patnaik**

# कथकली/Kathakali

आनन्द शिवरामन
**Anand Sivaraman**

कृष्णन कुट्टी
**Krishnan Kutty**

मृणालिनी साराभाई
**Mrinalini Sarabhai**

**Academy – Darpan Academy of performing Arts (Ahmedabad)**

## कथकली के अन्य प्रमुख कलाकार Other Prominent Artists of Kathakali

बल्लतोल नारायण मेनन, उदयशंकर, कृष्ण नायर, शांताराव, कीज़पदम कुमारन नायर, चेमनचेरी नायर, गोपीनाथ, लुईस लाइटफुट – (कथकली की ऑस्ट्रेलियाई जननी), के नन्दकुमार नायर, रामचन्द्रन पिल्लई, हरिप्रिया नंबूदिरी, गुरू शंकर नंबूदरीपाद, मिलिना साल्विनी (इटली)

**Ballatol Narayan Menon, Udayashankar, Krishna Nair, Shantarao, Keezpadam Kumaran Nair, Chemmancherry Nair, Gopinath, Lewis Lightfoot, K Nandakumar Nair, Ramachandran Pillai, Haripriya Namboodiri, Guru Shankar Namboodiripad, Milena Salvini (Italy)**

- 👉 के.सी पणिकर, शंकर कुरूप, थोट्टम शंकरन, गुरू गोपीनाथ कोट्टकल शिवरामन

  **K.C. Panikar, Shankar Kurup, Thottam Shankaran, Guru Gopinath Kottakkal Sivaraman**

- 👉 सदनाम पी.वी. बालकृष्णन **Sadanam P.V. Balakrishnan (PS 2024)**
- 👉 कलामंडलम बाला स्वामी सुब्रमण्यम
  **Kalamandalam Bala Swamy Subramanyam (SNA2022)**
- 👉 मार्गी विजय कुमारन **Margi Vijay Kumaran (SNA2023)**
- 👉 कलामंडलम विपिन एस **Kalamandalam Vipin S (BKY 2023)**

# कत्थक/Kathak

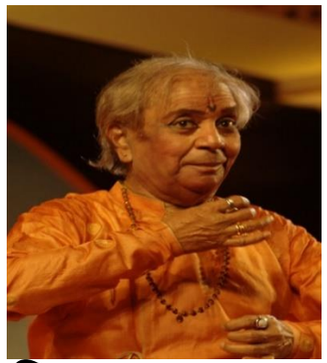

बिरजू महाराज

**Birju Maharaj**

लच्छु महाराज

**Lacchu Maharaj**

सितारा देवी

**Sitara Devi**

## कत्थक के अन्य प्रमुख कलाकार Other Prominent Artists of Kathak

सुखदेव महाराज, शोभना नारायण (गुरूदेव प्रसाद Award - 2013), मालविका सरकार, चन्द्रलेखा बिन्दादीन महाराज, अच्छन महाराज, नारायण प्रसाद, मंजूश्री चटर्जी, कालिका प्रसाद, प्रेरणा देशपांडे, नंदनी सिंह, रोशन कुमारी, राजाकर्ण नायक, प्रेरणा श्रीमाली, राजेन्द्रगंगानी, राघव राजभट्ट और मंगला भट्ट, शामा भाटे, रोहिणी भाटे, उमा शर्मा, पंडित मुन्नालाल शुक्ला, सास्वति सेन, वंदना सेन, केशव कोठारी, काजल शर्मा, अनिंदिता नियोग अनाम, नाहिद सिद्दीकी, अदिती मंगलदास, राजश्री शिर्के)

**Sukhdev Maharaj, Shobhana Narayan, Malvika Sarkar, Chandralekha Bindadin Maharaj, Acchan Maharaj, Narayan Prasad, Manjushree Chatterjee, Kalika Prasad, Prerna Deshpande, Nandni Singh Roshan Kumari, Rajakarna Nayak, Prerna Shrimali, Rajendra Gangani, Raghav Rajbhatt and Mangala Bhatt, Shama Bhate, Rohini Bhate, Uma Sharma, Pandit Munnalal Shukla, Saswati Sen, Vandna Sen, Keshav kothari, kajal sharma, Anindita Neog Anam, Nahid Siddiqui, Aditi Mangaldas, Rajshree Shirke**

कुमुदिनी लाखिया, Kumudini Lakhia – कदम्ब स्कूल की स्थापना (अहमदाबाद)

नलिनी अस्थाना (SNA 2022) , कमलिनी अस्थाना (SNA 2022), जगदीश गंगानी (SNA 2023), के. सुरिनभाई पारिख (BKY 2022), मेघरंजनी मेधी (BKY 2023)

**Nalini Asthana, Kamalini Asthana, Jagdish Gangani, K. Surinbhai Parikh, Megharjani Medhi**

# मणिपुरी/Manipuri

(झावेरी बहने–दर्शना, नयना, सुवर्णा, रंजना)

**(Jhaveri sisters- Darshana, Nayana, Suvarna, Ranjana)**

गुरू : बिपिन सिंह

## मणिपुरी के अन्य प्रमुख कलाकार Other Prominent Artists of Manipuri

गुरु अमली सिंह, नलकुमार सिंह, एल बिनो देवी, चारु माथुर, सविता मेहता, थांबल यामा, निर्मला मेहता, गुरू अमुबी, राजकुमार सिंघजीत सिंह, बिम्बावती देवी, नीलेश्वर मुखर्जी, श्रुति बंधोपाध्याय, टी इबमुबी देवी, अलूना काबुइनी, अखम लक्ष्मी देवी, एलम इंदिरा देवी, आतम्ब सिंह, रीता देवी

**Guru Amli Singh, Nalkumar Singh, L Bino Devi, Charu Mathur, Savita Mehta, Thumbal Yama, Nirmala Mehta, guru amubi, Rajkumar Singhjit Singh Bimbavati Devi, Nileshwar Mukherjee, Shruti Bandhopadhyay, T Ibmubi Devi, Aluna Kabuini, Akham Lakshmi Devi, Elam Indira Devi, Aatamb singh, Reeta devi**

- गुरू बिपिन सिंह **Guru Bipin Singh**
  - **Father of Manipuri Dance**
  - गोविन्द नर्तनालय स्कूल खोला **Govind Nartnalaya School opened**
- एस. न्योसखी देवी **S. Nyosakhi Devi (SNA 2022)**
- लता साना देवी **Lata Sana Devi (SNA 2023)**
- उर्मिका मैबम देवी **Urmika Maibam Devi (BKY 2022)**
- पी. रीपा देवी **P. Ripa Devi (BKY 2023)**

# मोहिनीअट्टम/Mohiniyattam

भारती शिवाजी
**Bharti Shivaji**

रागिनी देवी
**Ragini Devi**

हेमामालिनी
**Hema Malini**

श्री देवी
**Sridevi**

**भरतनाट्यम**
**पद्मश्री - 2000**

## मोहिनीअट्टम के अन्य प्रमुख कलाकार Other Prominent Artists of Mohiniyattam

शांताराव, गीता गायक, क्षेमवती पवित्रन, डॉ0 सुनेदा नायर, कनक रेले, निर्मला पणिकर, नीना प्रसाद, प्रतीक्षा काशी सेशन मजूमदार, कला विजयन (SNA 2022), पल्लवी कृष्णन (SNA 2023)

**Shantarao, Geetha Singer, Kshemavathi Pavithran, Dr. Suneda Nair, Kanak Rele, Nirmala Pannikar, Neena Prasad, Prtiksha kashi, Session Majumdar, Kala Vijayan, Pallavi Krishnan**

## कलामंडलम कल्याणी अम्मा Kalamandalam Kalyani Amma – Mother of Mohini attam

- जयप्रभा मेनन → देवदासी राष्ट्रीय पुरस्कार 2013
  **Jayaprabha Menon - Devadasi National Awards 2013**
- अक्षरा एम. दास **Akshara M. Das (BKY 2022)**
- विद्या मोल प्रदीप **Vidhya mol Pradeep (BKY 2023)**

# सत्रिया/Sattriya

श्रीमत शंकरदेव
**Shrimat Shankardev**

शारदीय सैकिया
**Autumn Saikia**

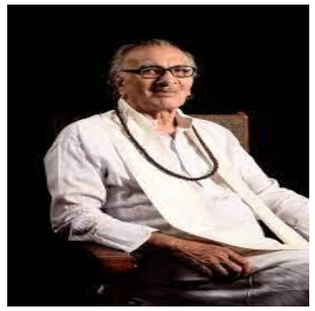

गुरु जतिन गोस्वामी
**Guru Jatin Goswami**

प्रभात शर्मा
**Prabhat Sharma**

## सत्रिया के अन्य प्रमुख कलाकार Other prominent actors of Satriya

प्रदीप चलीहा, ललित ओझा, परमान्दा बरबायान, मणिक बरबायान, गहन चंद्रा गोस्वामी, टंकेश्वर हजारिका बरबायान, रंजूभौनी सैकिया, गोविंदा सैकिया (SNA 2022), भावेन बोरबायान (SNA 2023), दिम्पी बैसया (BKY 2022), मुकुन्द सैकिया (BKY 2023)

**Pradeep Chaliha, Lalit Ojha, Parmanda Barbayan, Manik Barbayan, Gahan Chandra Goswami, Tankeshwar Hazarika Barbayan, Ranjubhauni Saikia Govinda Saikia, Bhaven Borbayan, Dimpy Baisya, Mukund Saikia**

# छऊ Chhau

मकर ध्वज दारोगा (पद्म श्री 2011), गंभीर सिंह मुंडा (PS 1981), गोपाल प्रसाद दूबे (PS 2012)

**Makar Dhwaj Daroga (Padma Shri 2011), Gambhir Singh Munda, Gopal Prasad Dubey**

रानी अरूणिमा सिंह देव **Rani Arunima Singh Dev**

शुभेंदु नारायण सिंह देव, **Subhendu Narayan Singh Dev,**

नेपाल चंद्र सूत्रधार (PS 2024)

**Nepal Chandra Sutradhar**

साधुचरण महतो (SNA 2022), परीक्षित महतो (SNA 2023)

**Sadhu Charan Mahato, Parikshit Mahato**

प्रद्युम्न कुमार मोहंते **Pradyumna Kumar Mohante (BKY 2022)**

सुनीता महतो **Sunita Mahato (BKY 2023)**

## शस्त्रीय नृत्यों के प्रमुख केन्द्र

- **कला क्षेत्र फांउडेशन - 1936 रूम्मिणी देवी अरूंडेल (भरतनाट्यम)**
  **Kalakshetra Foundation - 1936 Rummini Devi Arundale (Bharatnatyam)**
- **नृत्य भारती कथक अकादमी - 1947 रोहिणी भाटे**
  **Nritya Bharati Kathak Academy - 1947 Rohini Bhate**
- **जवाहर लाल नेहरू मणिपुरी नृत्य अकादमी - इंफाल 1954**
  **Jawaharlal Nehru Manipuri Dance Academy - Imphal 1954**
- **कदम्ब नृत्य केन्द्र - 1964 कुमुदिनी लखिया (कथक)**
  **Kadamba Dance Centre - 1964 Kumudini Lakhia (Kathak)**

- नाट्य तरंगिनी कुचिपुड़ी - 1976 नई दिल्ली

  Natya Tarangini Kuchipudi - 1976 New Delhi

  - राधा और राजा रेड्डी युगल द्वारा / Radha and Raja Reddy duo

- यामिनी स्कूल ऑफ डांस - 1990 यामिनी कृष्णमूर्ति

  Yamini School of Dance - 1990 Yamini Krishnamurthy

- सृजन विद्यालय - 1993 केलुचरण महापात्रा

  Srijan Vidyalaya - 1993 Kelucharan Mohapatra

- संस्कृति श्रेयस्कर (कत्थक) - 1995 रानी कर्ण (कोलकाता)

  Sanskriti Shreyaskar (Kathak) - 1995 Rani Karna (Kolkata)

- गोविन्द जी नृत्यालय (मणिपुरी) - गुरू विपिन सिंह

  Govindji Nrityalaya (Manipuri) - Guru Vipin Singh

# DELHI POLICE 2025

CONSTABLE HCM AWO/TPO DRIVER

# यकीन बैच

## STATIC G.K

## शास्त्रीय नृत्य

(CLASSICAL DANCES)

22-01-2025 05:00 PM

## शास्त्रीय नृत्यविधाएँ "CLASSICAL DANC"

- शास्त्रीय नृत्य के बारे में जानकारी भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में मिलती है। Imp

  **Information about classical dance is found in Bharat Muni's Natya Shastra.**

  पंचम वेद माना जाता है

- शास्त्रीय नृत्यों की कुल संख्या 8 है। Imp

  **The total number of classical dances are 8.**

  - संस्कृति मंत्रालय के अनुसार – 9 ( 9 वां छऊ )
  - संगीत नाटक अकादमी – 8 (SNA)
    - स्थापना – 28 जनवरी 1953 (दिल्ली)

- छऊ को अर्द्धशास्त्रीय नृत्य भी कहा जाता है।
  **Chhau is also called semi-classical dance.**
- इसे यूनेस्को की अमूर्त सूची में 2010 में शामिल किया गया। इसके तीन प्रकार है
  **It was included in the UNESCO Intangible List in 2010. It has three types**
  1. मयूरभंज छऊ – ओडिशा **Mayurbhanj Chhau - Odisha**
  2. सरायकेला छऊ – झारखण्ड **Saraikela Chhau - Jharkhand**
  3. पुरूलिया छऊ – पश्चिम बंगाल **Purulia Chhau - West Bengal**

ओड़िशा

| शास्त्रीय नृत्य (Classical Dance) | | सम्बन्धित राज्य (State) |
|---|---|---|
| 1- भरतनाट्यम Bharatanatyam | → | तमिलनाडु Tamil Nadu South |
| ↳ सबसे पुराना ( २००० वर्ष पुराना ) | | |
| 2- ओडिसी Odysey | → | ओडिसा Odisha South East |
| 3- मणिपुरी Manipuri | → | मणिपुर Manipur North East |
| 4- कुचिपुड़ी Kuchipudi | → | आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh South |
| 5- कथक Kathak | → | उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh North |
| 6- कथकली Kadhakali | → | केरल Kerala South |
| 7- मोहिनीअट्टम Mohiniyattam | → | केरल Kerala South |
| 8- सत्रिया Sattriya (500 वर्ष पुराना) | → | असम Assam North East |
| ↳ सबसे नया (2000 में जुड़ा) | | |
| 9- छऊ Chhau | → | पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, ओडिशा WB, JH, Odisha - अर्द्ध शास्त्रीय |






(राज के कुछ क्षेत्रों में)

South - 7 N.E → 2 S.E → 1 N → 1

## 1. भरतनाट्यम –



- इसका पुराना नाम सादिर था।
  Its old name was Sadir.
- अन्य नाम – दासी अट्टम (Dasi Attam)
  अग्नि नृत्य (Fire Dance)
- जानकारी – 2 Books

  इलंगो अदिगल : 1. शिल्पादिकारम, 2. अभिनय दर्पण 'नंदिकेश्वर'
- यह मंदिरों को समर्पित है। It is dedicated to temples.
- शैव धर्म के विचारों की प्रस्तुति (शिव)
  Presentation of the ideas of Shaivism
- नृत्य का आरम्भ "आलारिपु" से होता है (Imp)
  The dance begins with "Alaripu".

❖ इसमें छह भाग शामिल हैं: आलारिपु (आह्वान), जातीस्वरम् (नृत्य भाग), शब्दम् (शब्द के साथ लघु रचनाएँ), वर्णम् (एक कहानी, जिसमें नृत्त और नृत्य दोनों शामिल हैं), पदम् (धार्मिक प्रार्थना, भजन, कीर्तन) और तिल्लाना (हिंदुस्तानी संगीत के तराना के अनुरूप है)।

❖ It consists of six parts: Alarippu (invocation), Jatiswaram (dance portion), Shabdam (short compositions with words), Varnam (a story, including both nritta and dance), Padam (religious prayers, hymns, kirtans) and Tillana (corresponds to the tarana of Hindustani music).

- नाट्य रूप का स्वरूप पाने वाला भारत का पहला शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्य है
  Bharatnatya is the first classical dance of India to take the form of a drama
- "कटका मुख हस्त मुद्रा" इसमें 3 अंगुलियों को जोड़कर "ॐ" का प्रतीक निर्मित किया जाता है। "Katka Mukha Hasta Mudra" In this, the symbol of "Om" is formed by joining 3 fingers.
- नृत्य का अंत "तिल्लाना (थिलाना)" पर होता है The dance ends on "Tilna".
- नट्टुवार (भरतनाट्यम का शिक्षक) भरतनाट्यम में कविता पाठ करता है
  Nattuvar (teacher of Bharatanatyam) recites poems in Bharatanatyam
- धुन के लिए कर्नाटक संगीत का प्रयोग होता है, और एकल कलाकार द्वारा विभिन्न भूमिकाओं को दर्शाया जाता है जिसे "एकाहार्य, लस्यांग" कहा जाता है
  Karnatka music is used for the tune, and various roles are performed by a solo artist called "Ekaharya"..

भरतनाट्यम नृत्य की शैली – कलाक्षेत्र, वजुवुर, कलामंडलम

**Bharatnatyam dance style - Kalakshetra, Vajudoor Kalamandalam**

भारतीय संगीत के दो भाग

- उत्तर भारत – हिन्दुस्तानी संगीत
- दक्षिण भारत – कर्नाटक संगीत

नृत्य में प्रयोग वाद्ययंत्र – मृदंगम, वीणा, बांसुरी, आदि

- भरतनाट्यम पर ब्रिटिश सरकार ने 1910 में प्रतिबंध लगाया था।

  **Bharatanatyam was banned by the British government in 1910.**

- भरतनाट्यम के चित्र चिदम्बरम मंदिर (तमिलनाडु) के गोपुरम पर स्थित है।

  **Bharatanatyam paintings are located on the gopuram of Chidambaram Temple (Tamil Nadu).**

## 2 ओडिसी –

ओडिसा

- गुरू पंकज चरणदास को 'ओडिशी नृत्य का जनक कहा जाता है।
  Guru Pankaj Charandas is called the 'Father of Odissi dance'.
- भगवान कृष्ण से संबंध है।
  There is relation with Lord Krishna.
- यह नृत्य शैली भगवान जगन्नाथ की पूजा यात्रा से सम्बन्धित है।
  This dance style is related to the worship journey of Lord Jagannath.
- यह त्रिभंग मुद्रा में किया जाता है
  It is done in Tribhanga Mudra
- जयन्तिका ने 5 भागीय मुद्रा विकसित की
  Jayantika developed a 5 part mudra

- इसे ओरीली भी कहा जाता है।
- It is also called Orili.
- imp इसकी शुरूआत "मंगलाचरण" से और अन्त "मोक्ष" पर होता है
- imp It begins with "Manglacharan" and ends with "Moksha".

"मंगलाचरण" – पृथ्वी माता को पुष्प अर्पित ·

"मोक्ष" – थारिझम नृत्य से

- पखावज अक्षरों का प्रयोग, इस नृत्य को समाप्त करने के लिए किया जाता है।

The Pakhawaj aksharas are used to end this dance.

- imp नृत्य उदाहरण – उदयगिरि – खंडगिरि गुफा → ओडिसा

Dance Example - Udayagiri - Khandagiri Cave

- मुख्यतः महारियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य (महरी)

dance performed mainly by Maharis

- नृत्यांगनाएँ शरीर से जटिल 'ज्यामितिय पैटर्न बनाती है। इसे सचल मूर्ति कहा जाता है।

- **Dancers create intricate geometric patterns with their bodies. This is called a moving idol.**
- यह नृत्य 'जल तत्त्व' का प्रतीक है
  **This dance symbolizes the 'water element'**
- प्रयोग वाद्ययंत्र, मंजीरा, पखावज, ढोल, सितार
  **Musical instruments: Manjira, Pakhawaj, Dhol, Sitar**

3 **मणिपुरी** – Diamond

- यह वैष्णव सम्प्रदाय से संबंधित है।
  It is related to the Vaishnava sect.
- भगवान श्री कृष्ण के बाल्यकाल की कहानियाँ दर्शायी जाती है
  Stories from the childhood of Lord Shri Krishna are shown
- इसकी तीन प्रमुख शैलियाँ है – लाई हरोबा, संकीर्तन और रासलीला
  It has three main styles - Lai Haroba, Sankirtan and Rasleela.
- मणिपुरी नृत्य रासलीला को पहली बार 1779 में निंगथो चिंग–थांग खोंबा ने शुरू किया था। The Manipuri dance Raasleela was first introduced in 1779 by Ningtho Ching-Thang Khomba.

राधा और कृष्ण थीम पर आधारित

जवाहर लाल नेहरू मणिपुरी नृत्य अकादमी – मणिपुर

**Jawaharlal Nehru Manipuri Dance Academy - Manipur**

इसमें पेना वाद्ययंत्र का प्रयोग किया जाता है

**Pena instruments are used in this**

इसमें नटगायन का प्रयोग किया जाता है।

नृत्य, वाद्ययंत्र बजाना, गाना गाना एक ही व्यक्ति द्वारा किया जाता है इसे "पंग चोलेम" कहा जाता है, इसमें ड्रम का प्रयोग किया जाता है।

**Dancing, playing instruments, singing is done by the same person it is called "Pang Cholem" Drum is used in this.**

(जागोई + चोलेम) मणिपुरी के 2 प्रमुख भाग है

**(Jagoi + Cholem) are the 2 major parts of Manipuri**

- इसमें 64 तालों का प्रयोग होता है
  64 locks are used in this
- नागबंध मुद्रा – जिसमें शरीर 8 के आकार में वक्रों के माध्यम से जुड़ा होता है
  Nagabandha Mudra – in which the body is connected through curves in the shape of 8
- इसमें कलाकार बेलनाकार स्कर्ट पहनते है जिसे 'योटिओई' कहा जाता है।
  In this the performers wear a cylindrical skirt called 'yotioi'.
- इसमें कलाकार कभी भी दर्शकों से सीधे आँख नही मिलाता है।
  In this the artist never makes direct eye contact with the audience.